महिलाओं के लिए अभिकथन

मुझे कई बार दुःख होता है कि मैंने एक नारी के रूप में जन्म लिया है
मुझे कभी - कभी निराशा होती है कि मैं इस जीवनकाल में एक नारी बनी हूँ

मैं पूरी गहराई से,पूर्ण रूप से एवं पूरी चेतना के साथ ख़ुद को स्वीकार करती हूँ
औरत होने के कारण मैं अनेक निराशाओं का सामना कर रही हूँ
सबसे पहले तो मेरे पीरियड, कितना दर्द और कितनी असुविधा
और फिर मेरे चारों ओर सभी आदमी लोग, पिता, भाई, पति, बॉयफ्रेंडस, पुरुष
सहकर्मी, और फिर वह सब जो मैं नहीं कर सकती क्योंकि मैं एक औरत हूँ
मैं लाचार, कुंठित, पीड़ित महसूस करती हूँ, जैसे किसी को मेरी ज़रूरत नहीं
कोई भी नहीं समझता कि मेरे ऊपर क्या गुज़र रही है

मैं पूरी गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूरी चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ,
पर मैं क्या कर सकती हूँ

भगवान, मेरी आत्मा के अनेकों जन्मों के लिए,
यह आपकी ही दिव्य योजना और दिव्य निर्देशन है

मैं पूरी गहराई से,पूर्ण रूप से एवं पूरी चेतना के साथ ख़ुद को स्वीकार करती हूँ
भगवान मैं आपका दिव्य नर्देशन एवं योजना स्वीकार करती हूँ

मेरे अंदर की आत्मा ना तो स्त्री है और ना ही पुरुष
मैं आपकी दिव्य चिंगारी हूँ ,मैं आपकी संतान हूँ
मैं पूरी गहराई से,पूर्ण रूप से एवं पूरी चेतना के साथ ख़ुद को स्वीकार करती हूँ

भगवान आप जानते हैं कि इस जीवन में स्त्री बनकर ही
मैं अपने कर्मों का संतुलन कर सकती हूँ, जिससे मैं आपकी ओर जा सकूँ
आप में लीन हो सकूँ और आपके साथ एकाकार हो सकूँ
मैं पूरी गहराई से,पूर्ण रूप से एवं पूरी चेतना के साथ ख़ुद को स्वीकार करती हूँ

भगवान मुझे इस जीवनकाल में स्त्री बनाने के लिए आपका धन्यवाद
केवल स्त्री बनकर ही मैं अनेक ऐसे काम कर सकती हूँ जो पुरुष के लिए कर
पाना संभव नहीं है

मैं पूरी गहराई से,पूर्ण रूप से एवं पूरी चेतना के साथ ख़ुद को स्वीकार करती हूँ

भगवान आपका धन्यवाद , धन्यवाद , धन्यवाद !

महिलाओं के लिए अभिकथन

www.pranavioletheal ing.com

Revised JULY 2017